मुख्यमंत्री ने 102 उद्यमी मित्रों को नियुक्ति पत्र दिए, उद्यमियों को 232 करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि बांटी

युवाओं को प्रशिक्षण-रोजगार से जोड़ें उद्यमी

संबोधन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यमियों से अपील की है कि वे बदले हुए उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश करें और युवाओं को ट्रेनिंग व रोजगार से जोड़ें। साथ ही उन्होंने कहा कि निवेश करने वाले उद्यमियों और सरकारी मशीनरी के बीच उद्यमी मित्र सेतु की तरह काम करेंगे। वो उनकी समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करेंगे और यदि स्थानीय स्तर पर समाधान नहीं होता है तो उसकी जानकारी विभाग और शासन स्तर पर देंगे। उद्यमी मित्रों को शासन की तीसरी आंख के रूप में काम करना होगा। कार्यकाल पूरा करने वाली उद्यमी मित्रों को सरकारी नौकरी में आयु की सीमा में छूट दी जाएगी।

ये बातें सीएम योगी ने शनिवार को लोकभवन में 102 उद्यमी मित्रों को नियुक्ति पत्र वितरण व 232 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का संवितरण करते हुए कहीं। सीएम ने उद्यमियों से अपील की कि अपने सीएसआर फंड से युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने के लिए भी प्रेरित किया।

मिलेगा वेटेज : सीएम ने कहा कि 100 से अधिक उद्यमी मित्र चयनित हुए हैं। उन्हें 14 दिन की ट्रेनिंग के साथ ही कुछ औद्योगिक स्थलों का भी निरीक्षण कराया गया है। अगले तीन वर्ष के अंदर निवेश की संभावनाओं को आगे बढ़ाने में पूरी मजबूती से योगदान देंगे। प्रत्येक माह आपके काम का मूल्यांकन होगा। तीन वर्ष के सफलतम कार्यकाल के बाद जो भी शासन की किसी भी सर्विस से जुड़ने के लिए इच्छुक होगा तो उम्र में छूट के साथ ही विशेष महत्व दिया जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने वरिष्ठ मंत्रियों के साथ शनिवार को लखनऊ के लोकभवन में उद्यमी मित्रों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

■ उद्यमी मित्रों को सरकारी नौकरी में उम्र की छूट

प्रदेश के हित में काम करने का अवसर

उद्यमी मित्रों की योग्यता का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स, यूके, आईआईएम लखनऊ, इंदौर, बीएचयू, ट्रिपल आईआईटी प्रयागराज, एनआईटी से ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा आपसे अपील है कि यह अवसर है अपने आपको साबित करने का।

उद्यमियों से अपील, यूपी के युवा को कौशल से जोड़ें

सीएम ने उद्यमियों से अपील की कि अपनी सीएसआर निधि का उपयोग प्रदेश में ही करिए। हर इंडस्ट्री अपने साथ एक संस्थान को जरूर जोड़े। इंस्टीट्यूशन से जुड़े लोगों को अपने यहां ट्रेनिंग दिलाएं। यदि आप ट्रेनिंग करवाते हैं तो आधा पैसा सरकार आपको देगी और आधा पैसा आप मानदेय के रूप में उसे देंगे। एक निश्चित समय में वो आपके यहां कार्य करेगा और बाद में उसका कहीं और समायोजन होगा। उत्तर प्रदेश के अंदर अगले एक वर्ष के अंदर साढ़े 7 लाख नौजवानों को इसके साथ जोड़ने का लक्ष्य हमने तय किया है।